प्रलिम्सि फैक्ट: 09 जून, 2021

- CEO वाटर मैंडेट

CEO वाटर मैंडेट

(CEO Water Mandate)

हाल ही में **NTPC लमिटिड**, प्रतष्ठिति संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पेक्ट (United Nations' Global Compact) के **CEO वाटर मैंडेट** (CEO Water Mandate) का **हस्ताक्षरकर्त्ता** बन गया है।

- NTPC लमिटिड **वद्युित मंत्रालय के अंतर्गत भारत की सबसे बड़ी वद्युित कंपनी** है।

प्रमुख बदुि

CEO वाटर मैंडेट

- यह **संयुक्त राष्ट्र महासचवि** (UN Secretary-General) और **संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट** (UN Global Compact) की एक **वशिष पहल** है, जसि **पैसफिकि इंसटट्यिूट** के साथ साझेदारी में क्रयिान्वति कयिा जाता है। इसकी **स्थापना वर्ष 2007 में** की गई थी।
- यह पहल जल, स्वच्छता और सतत वकिास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals- SDGs) पर बज़िनेस लीडर्स को एकजुट करती है तथा **जल एवं स्वच्छता के एजेंडे को बेहतर बनाने** के लयि कंपनयिों की प्रतबिद्धता व प्रयासों को प्रदर्शति करती है।
- CEO वाटर मैंडेट को जल संबंधी व्यापक रणनीतयिों और नीतयिों के वकिास, कार्यान्वयन एवं प्रस्तुतीकरण में कंपनयिों की सहायता हेतु अभकिल्पति कयिा गया है।
- यह कंपनयिों को समान वचिारधारा वाले व्यवसायों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसयिों, सार्वजनकि प्राधकिरणों, नागरकि समाज संगठनों और अन्य प्रमुख हतिधारकों के साथ साझेदारी करने के लयि एक प्लेटफॉर्म भी प्रदान करता है।
- **इसके तहत प्रतबिद्धता के छह क्षेत्र हैं:**
  - प्रत्यक्ष संचालन (यानी जल के उपयोग को मापना और कम करना)।
  - आपूर्ति शृंखला और जल-वभिाजन प्रबंधन।
  - सामूहकि कार्य।
  - सार्वजनकि नीति।
  - सामुदायकि सहभागति।
  - पारदर्शति।

संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट:

- संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट वश्वि भर के व्यवसायों को **स्थायी और सामाजकि रूप से ज़मि्मेदार नीतयिों को अपनाने तथा उनके कार्यान्वयन** पर रपिोर्ट करने के लयि प्रोत्साहति करने हेतु एक **गैर-बाध्यकारी संयुक्त राष्ट्र संधि** है।
- यह **मानव अधकिारों, श्रम, पर्यावरण और भ्रष्टाचार वरिोधी क्षेत्रों में दस सद्धिांतों** को बताते हुए व्यवसायों के लयि एक सद्धिांत-आधारति ढाँचा है।
- ग्लोबल कॉम्पैक्ट के तहत, कंपनयिों को संयुक्त राष्ट्र एजेंसयिों, श्रम समूहों और नागरकि समाज के साथ लाया जाता है। **सटिीज़ प्रोग्राम** के माध्यम से शहर भी ग्लोबल कॉम्पैक्ट में शामलि हो सकते हैं।
- **भारत भी संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पेक्ट का हस्सिा** है।

अन्य पहलें जो कंपनयिों को पर्यावरण संरक्षण का हस्सिा बनाती हैं:

- इंडस्ट्रियल डीप डीकार्बोनाइज़ेशन इनिशिएटिव (IDDI):
    - यह सार्वजनिक और निजी संगठनों का एक वैश्विक गठबंधन है जो न्यून कार्बन औद्योगिक सामग्री की मांग को प्रोत्साहित करने के लिये काम कर रहा है।
    - राष्ट्रीय सरकारों के सहयोग से IDDI कार्बन आकलन को मानकीकृत करने, महत्त्वाकांक्षी सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के खरीद लक्ष्यों को स्थापित करने, न्यून कार्बन उत्पाद विकास में निवेश को प्रोत्साहित करने और उद्योग के दिशा-निर्देशों को डिज़ाइन करने के लिये काम करता है।
    - **UNIDO (संयुक्त राष्ट्र विकास औद्योगिक संगठन) द्वारा समन्वित**, IDDI का **नेतृत्त्व यूनाइटेड किंगडम और भारत द्वारा** किया जाता है।
- **रेस टू ज़ीरो अभियान:**
    - **रेस टू ज़ीरो संयुक्त राष्ट्र समर्थित वैश्विक अभियान** है जिसमें गैर-राज्यीय संस्थाओं (कंपनियाँ, विभिन्न शहर, वित्तीय और शैक्षणिक संस्थान) को शामिल किया गया है। यह वर्ष 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन को आधा करने और एक स्वस्थ, स्वच्छ, ज़ीरो-कार्बन वाले विश्व के निर्माण हेतु कठोर और तत्काल कार्रवाई को प्रोत्साहित करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-09-june-2021